

Padma Shri



SHRI VADIVEL GOPAL

Shri Vadivel Gopal is a traditional and expert snake catcher belonging to the Irular tribe. Like several other Irular people living in the area, he is an expert in snake tracking and catching, a skill that he learned from his father.

2. Born on 10th May, 1964, in Kancheepuram, Tamil Nadu, Shri Vadivel is a licensed member of the Irula Snake Catchers' Industrial Cooperative Society. He had caught thousands of snakes for venom production. The venom is used for manufacturing of anti-venom, a life saving drug.

3. In 2016, Shri Vadivel went to Sakaerat Environmental Research Station, Thailand to train the local snake catchers and to catch venomous snakes for research. He had caught over 20 venomous snakes of different species.

4. Shri Vadivel also went to Florida, USA in 2017 to catch the invasive Burmese pythons. Just within 2 months, he had caught 31 pythons and helped the USA Government reduce the problem of the invasive species. He was then globally appreciated and recognised.

5. Shri Vadivel continues to help Tamil Nadu Government in producing venom for the manufacture of anti-venom, which is saving hundreds of thousands of lives every year.



श्री वडीवेल गोपाल

श्री वडीवेल गोपाल, इरुलर जनजाति के एक पारंपरिक सांप पकड़ने वाले निपुण व्यक्ति हैं। क्षेत्र में रहने वाले कई अन्य इरुलर लोगों की तरह, वह सांप का पता लगाने और पकड़ने में माहिर हैं, और यह हुनर उन्होंने अपने पिता से सीखा है।

2. 10 मई, 1964 को कांचीपुरम, तमिलनाडु में जन्मे, श्री वडीवेल इरुला स्नेक कैचर्स इंडस्ट्रियल कोऑपरेटिव सोसाइटी के लाइसेंस प्राप्त सदस्य हैं। उन्होंने विष उत्पादन के लिए हजारों सांपों को पकड़ा था। विष का प्रयोग जीवन रक्षक दवा यानी सांप के जहर को समाप्त करने वाली दवा बनाने के लिए किया जाता है।
3. श्री वडीवेल वर्ष 2016 में स्थानीय लोगों को सांप पकड़ने का प्रशिक्षण देने और शोध के लिए विषैले सांपों को पकड़ने के लिए थाईलैंड के सकैरत एनवायरनमेंट रिसर्च स्टेशन गए। उन्होंने विभिन्न प्रजातियों के 20 से अधिक विषैले सांपों को पकड़ा है।
4. श्री वडीवेल 2017 में खूंखार बर्मी अजगरों को पकड़ने के लिए फ्लोरिडा, अमेरिका भी गए थे। सिर्फ 2 महीने के भीतर, उन्होंने 31 अजगरों को पकड़ा था और आक्रामक प्रजातियों की समस्या को कम करने में अमेरिकी सरकार की मदद की थी। तब विश्व स्तर पर उनकी सराहना की गई और उन्हें पहचान मिली।
5. श्री वडीवेल विष-रोधी दवा के निर्माण के लिए विष के संग्रह में तमिलनाडु सरकार की सहायता कर रहे हैं, जिससे प्रति वर्ष लाखों लोगों की जान बचाई जा रही है।

Padma Shri



SHRI MASI SADAIYAN

Shri Masi Sadaiyan is a traditional and expert snake catcher belonging to the Irular tribe. Like several other Irular people living in the area, he is an expert in snake tracking and catching, a skill that he learned from his father.

2. Born on 2nd March, 1965 in Kancheepuram, Tamil Nadu, Shri Masi is a licensed member of the Irula Snake Catchers' Industrial Cooperative Society. He had caught thousands of snakes for venom production. The venom is used for manufacturing of anti-venom, a life saving drug.

3. In 2016, Shri Masi went to Sakaerat Environmental Research Station, Thailand to train the local snake catchers and to catch venomous snakes for research. He had caught over 20 venomous snakes of different species.

4. Shri Masi then went to Florida, USA in 2017 to catch the invasive Burmese pythons. Just within 2 months, he had caught 31 pythons and helped the USA Government reduce the problem of the invasive species. He was then globally appreciated and recognized.

5. Shri Masi continues to help Tamil Nadu Government in producing venom for the manufacture of anti-venom which is saving hundreds of thousands of lives every year.



श्री मासी सडयान

श्री मासी सडयान, इरुलर जनजाति के एक पारंपरिक सांप पकड़ने वाले निपुण व्यक्ति हैं। क्षेत्र में रहने वाले कई अन्य इरुलर लोगों की तरह, वह सांप का पता लगाने और पकड़ने में माहिर हैं, और यह हुनर उन्होंने अपने पिता से सीखा है।

2. 2 मार्च, 1965 को कांचीपुरम, तमिलनाडु में जन्मे, श्री मासी इरुला स्नेक कैचर्स इंडस्ट्रियल कोऑपरेटिव सोसाइटी के लाइसेंस प्राप्त सदस्य हैं। उन्होंने विष उत्पादन के लिए हजारों सांपों को पकड़ा था। विष का प्रयोग जीवन रक्षक दवा बनाने के लिए किया जाता है।
3. श्री मासी वर्ष 2016 में स्थानीय लोगों को सांप पकड़ने का प्रशिक्षण देने और शोध के लिए विषैले सांपों को पकड़ने के लिए थाईलैंड के सकैरत एनवायरनमेंट रिसर्च स्टेशन गए। उन्होंने विभिन्न प्रजातियों के 20 से अधिक विषैले सांपों को पकड़ा था।
4. श्री मासी 2017 में खूंखार बर्मी अजगरों को पकड़ने के लिए फ्लोरिडा, अमेरिका भी गए थे। सिर्फ 2 महीने के भीतर, उन्होंने 31 अजगरों को पकड़ा था और आक्रामक प्रजातियों की समस्या को कम करने में अमेरिकी सरकार की मदद की थी। तब विश्व स्तर पर उनकी सराहना की गई और उन्हें पहचान मिली।
5. श्री मासी विष-रोधी दवा के निर्माण के लिए विष के संग्रह में तमिलनाडु सरकार की सहायता कर रहे हैं, जिससे प्रति वर्ष लाखों लोगों की जान बचाई जा रही है।